http://www.gnduonline.com

Exam. Code : 103205
Subject Code : 1234

B.A./B.Sc. Semester—V

SANSKRIT ELECTIVE

(नीतिकथा, साहित्य तथा व्याकरण)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। किसी भी प्रश्न के सभी भागों के उत्तर नैरन्तर्य से लिखें।

1. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** पद्यों का संस्कृत/हिन्दी/पंजाबी/अंग्रेजी में सप्रसंग सरलार्थ करें :-

(क) उपदेशदातृणां नराणां हितमिच्छताम्।
परस्मिन्निह लोके च व्यसनं नोपपद्यते।।

(ख) आपदि येनापकृतं येन च हसितं दशासु विषमासु।
अपकृत्य तयोरुभयोः पुनरपि जातं नरं मन्ये।।

(ग) अत एव हि वाञ्छन्ति भूपा योधान् महाबलान्।
शूरान् वीरान् कृतोत्साहान् वर्जयन्ति च कातरान्।।

(घ) अन्तःस्थेन विरुद्धेन सुवृत्तेनातिचारुणा।
अन्तर्भिन्नेन सम्प्राप्तं मौक्तिकेनापि बन्धनम्।।

(ङ) यस्य न ज्ञायते शीलं न कुलं न च संश्रयः।
न तेन सङ्गति कुर्यादित्युवाच बृहस्पतिः।।

http://www.gnduonline.com

http://www.gnduonline.com

(च) सम्भाव्यं गोषु सम्पन्नं सम्भावयं ब्राह्मणे तपः।
सम्भाव्यं स्त्रीषु चापल्यं सम्भाव्यं जातितो भयम्।।

(छ) यो दुर्बलोऽणूनपि याच्यमानो बलीयसा यच्छति नैव साम्ना।
प्रयच्छते नैव च दर्श्यमानं खारीं स चूर्णस्य पुनर्ददाति।।

(ज) बुभुक्षितः किं न करोति पापम्
क्षीणा नराः निष्करुणा भवन्ति।
आख्याहि भद्रे! प्रियदर्शनस्य
न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्।।

(झ) यो हि प्राणपरिक्षीणः सहायैपरिवर्जितः।
स हि सर्व सुखोपायां वृत्तिमारचयेत् बुधः।।

(ञ) शत्रुभिर्योजयेच्छत्रुं बलिभिर्बलवत्तरम्।
स्वकार्याय यतो न स्यात् काचित् पीडाऽत्र तत्क्षये।।

5×7=35

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें :-

(क) सिंहशृगालपुत्रकथा का सार अपने शब्दों में लिखें।

(ख) गङ्गदत्तप्रिदर्शनसर्पकथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(ग) विदेशगतसारमेयकथा की शिक्षा का जीवन में महत्त्व प्रतिपादित करें।

(घ) शृगालसिंहव्याघ्रचित्रकथा का सार अपने शब्दों में लिख कर उसकी शिक्षा पर प्रकाश डालें। 2×7½=15

http://www.gnduonline.com

http://www.gnduonline.com

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** में सन्धि/सन्धिच्छेद करें :-

(क) अधोः + याहि

(ख) सोऽहम्

(ग) एषः + इच्छति

(घ) वृक्षः + फलति

(ङ) चतुः + फलम्

(च) द्विगुरयम्

(छ) मनः + योग

(ज) पुरस्कार

(झ) सूर्यः + लीयते

(ञ) हरिर्वदति 2×5=10

4. अधोलिखित में से किन्हीं पाँच धातुओं के साथ यथानिर्दिष्ट सन् तथा णिच् प्रत्यय लगाकर प्रथमपुरुष एकवचन के रूप लिखें :-

(क) √हा + णिच्

(ख) √चुर् + सन्

(ग) √गम् + णिच्

(घ) √पत् + सन्

(ङ) √आप् + णिच्

(च) √दृश् + णिच्

(छ) √सिच् + णिच्

(ज) √पठ + सन्

(झ) √चल् + सन्

(ञ) √कृ + सन् 2×5=10

http://www.gnduonline.com

http://www.gnduonline.com

5. सामवेद संहिता अथवा अथर्ववेद संहिता का सामान्य परिचय दें। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें :-

(क) मास कितने हैं ? केवल छः के नाम लिखें।

(ख) ऋतुओं के नाम लिखें।

(ग) ग्रहों के नाम लिखें।

(घ) राशियों के नाम लिखें। 2×5=10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दस शब्दों को संस्कृत में लिखें :- पोता, कान, ब्लैकबोर्ड, देवर, बैल, रसोई, कोयल, जवाई, इंटरनेट, मोर, नाक, साड़ी, मोबाइल फोन, ससुर, बांह, नारियल, कंप्यूटर, सरसों, अंगूठा, रोटी। 10×1=10

http://www.gnduonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.gnduonline.com